शुक्रवार
04 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे के इस्तेमाल से आप माइग्रेन के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं

पृष्ठ 5

बहुत लोगों को लगता है मैं अब भी सलमान पर निर्भर हुं, पर ऐसा नहीं है:जरीन खान

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 12
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पाषाण के भीतर भी मधुर स्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
– जयशंकर प्रसाद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पीएम मोदी की रैली रद्द

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज होने वाला उत्तराखंड दौरा खराब मौसम के कारण रद्द हो गया। प्रधानमंत्री मोदी को आज राज्य के 4 जिलों 16 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए वर्चुअल रैली के जरिए संबोधित करना था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आज पहली वर्चुअल रैली प्रस्तावित थी, जिसकी सारी तैयारियां की पार्टी द्वारा कर ली गई थी। खराब मौसम के कारण इस रैली के आयोजन की इंडोर तैयारियां थी। प्रधानमंत्री मोदी आज की इस रैली के जरिए पिथौरागढ, बागेश्वर, चंपावत और अल्मोड़ा जनपद के एक लाख से अधिक लोगों को संबोधित करने वाले थे। जिसकी तैयारियों में पार्टी के नेता बीते कई दिनों से जुड़े हुए थे। रैली की सभी तैयारियां लगभग पूरी थी लेकिन खराब मौसम के कारण आज अचानक इस कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में निराशा है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बीते

❑खराब मौसम के कारण हुआ दौरा रद्द
❑उत्तराखंड चुनाव में मौसम बड़ी बाधा

कल भी खराब मौसम के कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का भी दौरा रद्द करना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा ने सभी 5 संसदीय क्षेत्रों के लिए अलग-अलग 5 वर्चुअल रैलियों के कार्यक्रम तय किए गए थे जिनके तहत उनकी पहली वर्चुअल रैली आज होनी थी, जिसे खराब मौसम के कारण रद्द करना पड़ा। उनकी आगामी रैलियां 6 फरवरी 8 फरवरी तथा 10 व 12 फरवरी को प्रस्तावित है।

भाजपा के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खबर यह भी आ रही है कि उनकी आगामी प्रस्तावित इन रैलियों के कार्यक्रमों में भी थोड़ा बहुत बदलाव किया जा सकता है। बीते कल से प्रदेश में हो रही भारी बारिश और बर्फबारी के कारण जहां आम जन जीवन प्रभावित हुआ है वहीं राज्य में चल रही चुनावी प्रक्रिया में भी बाधाएं उत्पन्न हो गई हैं। प्रत्याशियों के पास चुनाव प्रचार के लिए बहुत अधिक समय नहीं बचा है। पहले ही कोरोना के कारण लगे प्रतिबंधों और अब मौसम की बेरुखी के कारण प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बीते कल दिव्यांगों और बुजुर्गों का मतदान कराने गई निर्वाचन आयोग की कई टीमों को अल्मोड़ा और चमोली में बर्फबारी का सामना करना पड़ा जहां से एसडीआरएफ व पुलिस द्वारा किसी तरह इन्हें सुरक्षित निकाला गया।

महंगाई और बेरोजगारी डबल इंजन सरकार की उपलब्धि: दिग्विजय सिंह

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के चुनावी दौरे पर आए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने आज भाजपा की डबल इंजन सरकार के सगूफे पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि महंगाई और बढ़ती बेरोजगारी है।

राजधानी दून में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं द्वारा सिर्फ झूठ की राजनीति की जा रही है। उत्तराखंड ही नहीं देश में महंगाई और बेरोजगारी अपने चरम पर है। उत्तराखंड में 20-21 तक आठ लाख बेरोजगारों ने अपना पंजीकरण कराया हुआ है। उन्होंने कहा कि 2016 से 2021 के बीच राज्य के 4.5 लाख लोगों का रोजगार चला गया जिससे राज्य में बेरोजगारी की दर 9.7 फीसदी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी के कारण राज्य में लगातार पलायन हो रहा है। लेकिन सूबे की भाजपा सरकार ने 5 साल में इन युवाओं और बेरोजगारों के बारे में कुछ नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में 20 से 29 आयु वर्ग के बेरोजगार 24.39 फीसदी है राज्य के भाजपा नेता युवा नेतृत्व की बात तो करते हैं लेकिन युवा बेरोजगारों के लिए उन्होंने क्या किया है। 5 साल में यह बताने के लिए उनके पास कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव सर पर आया तो वह युवा नेतृत्व की बात कहकर युवाओं का वोट

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

असदुद्दीन ओवैसी को मिलेगी जेड कैटेगरी की सुरक्षा!

नई दिल्ली । एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की कार पर कल फायरिंग हुई। यूपी के एक टोल प्लाजा से गुजरते हुए उन पर ये हमला हुआ। हालांकि इस दौरान ओवैसी को कोई चोट नहीं आई। अब बताया जा रहा है सरकार ने उन्हें जेड कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुातबिक, उनकी कार पर गोली चलाने की घटना के बाद सरकार ने सांसद की सुरक्षा का जायजा लिया और उन्हें तत्काल प्रभाव से जेड कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला लिया। ओवैसी की कार पर गुरुवार को मेरठ में उस वक्त हमला हुआ था, जब वह चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद दिल्ली लौट रहे थे। उनकी कार राष्ट्रीय राजमार्ग २४ के हापुड़–गाजियाबाद खंड पर छिजारसी टोल प्लाजा के पास थी, जब शाम करीब ६ बजे उस पर गोली चलाई गई। हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। पूछताछ के दौरान उन्होंने कहा कि वे सांसद के हिंदू–विरोधी बयानों से आहत थे, इसलिए उन्होंने गोली चलाई। ओवैसी के काफिले पर हुए हमले के बाद से ही पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में जहां दो लोगों को हिरासत में लिया गया है, वहीं इसका वीडियो भी सामने आया है। पुलिस हमले के समय का सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश भी कर रही है कि उन्होंने गोलीबारी की साजिश कैसे रची।

पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 149394 नए मामले सामने आए, बीमारी से 246674 लोग ठीक हुए

नई दिल्ली। देश में पिछले २४ घंटों में कोरोना संक्रमण के १,४६,३६४ नए मामले सामने आए हैं। यह आंकड़ा कल के मुकाबले १३ प्रतिशत कम है। बता दें कि गुरुवार को १,७२,४३३ नए मामले सामने आए थे। वहीं, पिछले २४ घंटों में भारत में कोरोना संक्रमण से १०७२ लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि २,४६,६७४ लोग इस बीमारी से ठीक भी हुए हैं। मालूम हो, दैनिक पॉजिटिव दर भी कल के मुकाबले कम हुआ है। आज संक्रमण दर ६.२७ प्रतिशत। हालांकि, गुरुवार को यह १०.६६ प्रतिशत था। हालांकि, आज की बात करें तो कोरोना संक्रमण के कुल मामले ४,१६,५२,७१२ हो गए हैं, जबकि अभी भी देश में १४,३५,५६६ सक्रिय

मामले मौजूद हैं। साथ ही, ४,००,१७,०८८ लोगों की कुल रिकवरी भी हुई है। वहीं, अब कुल मौतों का आंकड़ा ५,००,०५५ हो गया है। इसके अलावा १,६८,४७,१६,०६८ लोगों को अब तक वैक्सीनेशन लग चुकी है।

बुधवार को देश में १,७२,४३३ नए मामले दर्ज किए गए थे जोकि मंगलवार के मुकाबले ६.८ प्रतिशत ज्यादा थे। वहीं, बुधवार को १,००८ लोगों की कोरोना से मौत हुई थी, जिसके बाद कुल मौतों का आंकड़ा अब ४ लाख ६८ हजार ६८३ हो गया था।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्कूलों को खोलने का प्लान तैयार कर लिया गया है। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में शुक्रवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक हुई। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को खोलने का निर्णय लिया गया।

सूत्रों के अनुसार दिल्ली में उच्च शिक्षा संस्थान एसओपी के तहत खुलेंगे और कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करेंगे। स्कूल चरणबद्ध तरीके से खुलेंगे, कक्षा ९वीं–१२वीं के स्कूल ७ फरवरी से खुलेंगे। कहा गया कि जिन शिक्षकों का टीकाकरण नहीं हुआ है, उन्हें अनुमति नहीं दी जाएगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनाव पर मौसम की मार

चुनाव आयोग द्वारा जब चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई थी उसी समय से इस बात की आशंका जताई जा रही थी कि पहाड़ पर चुनाव के लिए यह मौसम मुफीद रहने वाला नहीं है। चुनाव आयोग अगर चाहता तो उत्तराखंड के चुनाव की तारीखों को थोड़ा और आगे बढ़ा सकता था लेकिन चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में होने वाले दूसरे दौर के मतदान (१४ फरवरी) को राज्य में चुनाव कराने का कार्यक्रम तय कर दिया गया। अगर यह चुनाव अंतिम चरण के मतदान के दिन भी कराया जाता तब भी किसी तरह का कोई संवैधानिक संकट नहीं पैदा होने वाला था। क्योंकि मतगणना की तारीख तो 10 मार्च ही रहने वाली थी। चुनाव आयोग ने जिस तरह पंजाब के चुनाव कार्यक्रम में फेरबदल किया वैसा ही फेरबदल चुनाव आयोग उत्तराखंड के चुनाव में भी कर सकता था। लेकिन समय रहते उत्तराखंड के राजनीतिक दलों द्वारा इस मुद्दे पर सही पहल नहीं की गई। उत्तराखंड राज्य की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य राज्यों से अलग हैं। विषम परिस्थितियों वाले इस राज्य में सर्दी का मौसम चुनाव कराने के दृष्टिकोण से कतई भी उपयुक्त नहीं माना जा सकता है। राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इस मौसम में पारा शून्य से भी नीचे चला जाता है। कई बार अत्यधिक बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो जाते हैं और आवागमन पूर्णतया बंद हो जाता है। बीते 2 दिनों से राज्य में हो रही वर्षा और बर्फबारी के कारण उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, तथा चमोली व अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में सामाजिक और आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई है। राज्य के कई हिस्सों में जिसमें यमुनोत्री, गंगोत्री और चकराता क्षेत्र में हुई भीषण बर्फबारी ने सड़कों पर आवागमन पूरी तरह से रोक दिया है ऐसी स्थिति में चुनाव की गतिविधियां का ठप हो जाना स्वाभाविक है। इन क्षेत्रों में चुनाव प्रचार पर पूरी तरह से ब्रेक लग गया है। गंगोत्री व यमुनोत्री क्षेत्र में 5 से 6 फीट तक तथा पिथौरागढ़ व चमोली के कुछ क्षेत्रों में 4 से 5 फीट तक बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है जिसके कारण मतदान की तारीख 14 फरवरी तक भी साफ होने की संभावना नहीं है। कल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्य के चुनावी दौरे पर आना था तथा पीएम मोदी की वर्चुअल रैली होनी थी, लेकिन वर्षा और बर्फबारी के कारण उनके यह कार्यक्रम नहीं हो सके। भले ही मौसम विभाग द्वारा अचानक बिगड़े मौसम के मिजाज के पीछे पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बताई जा रही हो लेकिन पहले से ही कोरोना प्रभावित इस चुनाव को अब जिस तरह की मार झेलनी पड़ रही है उससे सभी राजनीतिक दलों और नेताओं की चिंता बढ़ा दी गई है। मौसम की इस मार से अभी भले ही सिर्फ चुनाव का प्रचार प्रभावित हो रहा है लेकिन इसका असर मतदान पर भी पड़ सकता है। राज्य के दूरस्थ क्षेत्र तो इन दिनों बर्फ से ढके हुए हैं वहां तक चुनाव टीमों का पहुंचना और लोगों का मतदान केंद्रों तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाएगा। भले ही चुनाव आयोग भी इसमें कुछ संशोधन न कर सके लेकिन भविष्य में इस पर चिंतन जरूरी है जिससे मौसम की मार से चुनाव को प्रभावित होने से बचाया जा सके।

उत्तर प्रदेश की झांकी को 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से सर्वश्रेष्ठ झांकी के रूप में चुना गया

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस परेड २०२२ की सर्वश्रेष्ठ झांकियों और सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ियों के लिए परिणाम घोषित किए गए हैं। तीनों सेनाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों , अन्य सहायक बलों और विभिन्न राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों (यूटी) की झांकियों के मार्चिंग दलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायकों के तीन पैनल बनाए गए थे।

पैनलों के आकलन के आधार पर भारतीय नौसेना के मार्चिंग दस्ते को तीनों सेनाओं के बीच सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते के रूप में चुना गया है। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सीएपीएफ/अन्य सहायक बलों के बीच सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ता नामित किया गया है।

उत्तर प्रदेश की झांकी को २६ जनवरी, २०२२ को गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले १२ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से सर्वश्रेष्ठ झांकी के रूप में चुना गया है। उत्तर प्रदेश की झांकी एक जिला एक उत्पाद और काशी विश्वनाथ धाम विषय पर केंद्रित थी। दूसरा स्थान पारंपरिक हस्तशिल्प का पालना पर आधारित झांकी के लिए कर्नाटक को मिला। तीसरा स्थान मेघालय को श्मेघालय का ५० वर्षों का राज्यत्व और महिला संचालित सहकारी संघो और स्वयं सहायता समूहों के लिए सम्मान पर अपनी झांकी के लिए गया।

शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय तथा नागर विमानन मंत्रालय की झांकियों को केन्द्रीय मंत्रालयों की श्रेणी में संयुक्त विजेता घोषित किया गया है। शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की झांकी का मंत्रालय की झांकी का विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति था, जबकि नागर विमानन मंत्रालय की झांकी उड़े देश का आम नागरिक विषय पर केंद्रित थी। केंद्रीय मंत्रालयों की नौ झांकियां गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई थीं।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (सीपीडब्ल्यूडी) की सुभाष @१२५ विषय पर केंद्रित झांकी को और वंदे भारत नृत्य समूह को विशेष पुरस्कार श्रेणी के लिए चुना गया है।

इसके अलावा, पहली बार, आम जनता को माईगॉव मंच के माध्यम से लोकप्रिय पसंद श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते और सर्वश्रेष्ठ झांकियों के लिए मतदान करने के लिए आमंत्रित किया गया। ऑनलाइन मतदान २५–३१ जनवरी, २०२२ के बीच आयोजित किया गया। अंतिम परिणामों के अनुसार, भारतीय वायु सेना के मार्चिंग दल को तीनों सेनाओं के बीच सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते के रूप में चुना गया है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं अन्य सहायक बलों के बीच सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल के रूप में घोषित किया गया। महाराष्ट्र को राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ झांकी के रूप में चुना गया। महाराष्ट्र की झांकी महाराष्ट्र की जैव विविधता एवं जैव–प्रतीक विषय पर आधारित थी। दूसरा स्थान उत्तर प्रदेश को मिला, जबकि जम्मू एवं कश्मीर बदलता रूप विषय पर केंद्रित जम्मू–कश्मीर की झांकी तीसरे स्थान पर रही। संचार मंत्रालय व डाक विभाग की झांकी को केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों में सर्वश्रेष्ठ झांकी के रूप में घोषित किया गया। इस झांकी का विषय भारतीय डाक संकल्प @ ७५ वर्ष– महिला सशक्तीकरण था।

डीजीपी अशोक कुमार ने बारिश व बर्फबारी के चलते पुलिस फोर्स को दिये अलर्ट रहने के निर्देश

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में हो रही बर्फबारी और भारी बारिश के चलते डीजीपी अशोक कुमार ने पुलिस फोर्स को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गये हैं, साथ ही उत्तराखंड आ रहे पर्यटकों से भी सावधानी बरतने की अपील की है।

उन्होने बताया कि बर्फबारी का लुत्फ लेने के लिए भारी संख्या में पर्यटक उत्तराखण्ड के पर्यटक स्थलों पर पहुँच रहे है। वही पर्यटक किसी भी आपातकाल स्थिति में 112 नंबर डायल कर संभव मदद ले सकते है। बता दें कि मौसम विभाग ने आज देर रात तक बर्फबारी और भारी बारिश का अलर्ट प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में जताया गया है। डीजीपी अशोक कुमार ने कहा बारिश

के चलते पुलिस फोर्स के सामने बड़ी चुनौती है। पुलिस फोर्स अलर्ट पर है और हर स्थिति की मॉनिटरिंग की जा रही है एसडीआरएफ की टीम हर संभव मदद पहुँचा रही है।

प्रदेश के पर्वतीय जनपदों में हो रही भारी बर्फबारी को देखते हुए डीजीपी अशोक कुमार ने वीडियो के माध्यम से लोगों से अपील की है कि बर्फबारी के इस मौसम में सावधानी बरतें, खुद को सुरक्षित रखें। यदि आप कहीं फंस गए हैं, तो घबराएं नहीं, धैर्य बनाए रखें। हम आपकी सहायता के लिए हमेशा तैयार है।

अर्वावतो न आ गहि परावतश्च वृत्रहन्।
'इमा जुषस्व नो गिरः।।
(ऋग्वेद ३–४०–८)

हमारी वासनाओं का विनाश करने वाले प्रभु ! दूर से या समीप से सभी ओर से हमारे ऊपर समृद्धि और सुख की वर्षा करो। हमारी स्तुतियों को स्वीकार करो।

O God the destroyer of our lust ! Please shower prosperity and happiness on us from all sides from far or near. Please accept our eulogies.
(Rig Veda 3-40-8)

न्यूयॉर्क सिटी सेंट्रल पार्क में अचानक प्रकट हुआ गोल्ड क्यूब !

न्यूयॉर्क । अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी सेंट्रल पार्क ने उस वक्त लोगों का अचानक ध्यान आकर्षित कर लिया जब पार्क में एक विशाल सोने का क्यूब दिखाई पड़ा। गोल्ड क्यूब देखकर सेंट्रल पार्क में सैर करने पहुंचे लोग काफी हैरान नजर आए। जानकारी के मुताबिक यह सोने का क्यूब १८६ किलोग्राम वजन का है। इसकी खास विशेषता है कि ये २४ कैरेट सोने से बनाया गया है। इस गोल्ड क्यूब को जर्मन कलाकार निकलस कैस्टेलो ने डिजायन किया है। साल १९७८ में पूर्वी जर्मनी में जन्म लेने वाले निकलस कैस्टेलो फिलहाल न्यूयॉर्क में रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जर्मन कलाकार कैस्टेलो ने इसे न्यूयॉर्क सिटी सेंट्रल पार्क के बीच में एक नए क्रिप्टोकरंसी की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए पब्लिसिटी स्टंट के रूप में रख दिया था। मानवता के इतिहास में पहले कभी भी इतनी बड़ी मात्रा में सोने को इस तरह से डिजाइन नहीं किया गया। इस कलाकृति के विवरण में कहा गया है कि सोना शाश्वत धातु है। यह सूर्य का प्रतीक है, प्रकाश और अच्छाई का प्रतीक है। कैस्टेलो ने गोल्ड क्यूब को इसके सभी पहलुओं में कला का एक वैचारिक वर्क बताया। उन्होंने कहा कि उनका विचार कुछ ऐसा बनाने का था जो दुनिया से अलग हो। इस गोल्ड क्यूब के साथ एक क्रिप्टोकरेंसी को भी जारी किया गया। इस क्रिप्टोकरेंसी को कास्टेलो कॉइन नाम रखा गया है जिसे ऑनलाइन भी खरीदा जा सकता है। इस गोल्ड क्यूब की बाजार में कीमत करीब ११।७ मिलियन डॉलर है। कैस्टेलो की टीम के मुताबिक गोल्ड क्यूब बनाने के लिए एक खास हाथ से बनी हुई भट्टी की जरुरत होती है।

ट्रक से पकड़ी 500 पेटी बीयर, चालक हिरासत में

हल्द्वानी (हसं)। विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल के लिए हल्द्वानी लायी जा रही 500 पेटी बीयर सहित पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त ट्रक भी बरामद किया है।

एसपी सिटी हरबंस सिंह ने बताया कि बीयर कंपनी द्वारा देहरादून से कालाढूंगी होते हुए अल्मोड़ा के लिए एक ट्रक में 500 पेटी बीयर लोड की गई थीं। ये पेटियां अल्मोड़ा में सप्लाई की जानी थी। लेकिन ट्रक चालक द्वारा निर्धारित रूट से न जाकर बीयर से भरे ट्रक को हल्द्वानी ले जाया गया। यहां पर किसी को भी सप्लाई नहीं दी जानी थी। बताया कि ट्रक को अल्मोड़ा न ले जाकर हल्द्वानी लाया गया है। इससे ऐसा लग रहा है कि ये बीयर चुनाव में हल्द्वानी के अंदर खपाई जानी थी। इसीलिए ट्रक को बीयर के साथ जब्त कर लिया है। चालक का नाम मुकेश परगाई निवासी मुक्तेश्वर नैनीताल बताया गया है। जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है।

भाजपा ने वाल्मीकि समाज को ठगा: काला

संवाददाता

देहरादून। मोहन काला ने कहा किकाला ने कहा की पिछले ५ साल की सरकार में भाजपा ने वाल्मीकि समाज के साथ धोखा कर समाज को गुमराह ओर छलने का काम किया है झूठे वादे कर सत्ता में काबिज होकर भाजपा ने समाज को ठगा है ना समाज हित में कोई फैसला लिया और ना सफाई कर्मचारियों के साथ किये वादो को निभाया

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस सदस्यता अभियान कमेटी के सह-संयोजक मोहन कुमार काला ने १४ फरवरी को होने वाले मतदान में वाल्मीकि समाज से कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर सरकार बनाने की अपील की । काला ने कहा की पिछले ५ साल की सरकार में भाजपा ने वाल्मीकि समाज के साथ धोखा कर समाज को गुमराह ओर छलने का काम किया है झूठे वादे कर सत्ता में काबिज होकर भाजपा ने समाज ठगा है ना समाज हित में कोई फैसला लिया और ना सफाई कर्मचारियों के साथ किये वादो को निभाया।

काला ने पिछली कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों का जिक्र कर कहा की कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहते हरीश रावत ने मलिन बस्तियों को मालिकाना का हक के साथ साथ प्रदेश के स्थानीय निकायों में संविदा पर कार्यरत ८५९ सफाई कर्मचारियों को नियमित कर ठेके पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को संविदा पर करने का शासनादेश २२ नवंबर २०१६ को जारी किया था जिसमें पूरे प्रदेश में सफाई कर्मचारियों को फायदा पहुंचा तो वहीं देहरादून में भी १०८ सफाई कर्मचारी नियमित हुए वहीं सरकारी भूमि पर निवास कर रहे लोगों को मालिकाना हक दिया था । काला ने बताया की कांग्रेस ने सदैव वाल्मीकि समाज को सम्मान प्रदान किया है जिसका परिणाम २०२२ का विधानसभा चुनाव है उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी नेतृत्व ने वाल्मीकि समाज को भी भागीदारी दे ज्वालापुर विधानसभा से वाल्मीकि समाज को टिकट देकर सम्मान दिया है।

घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओंकार रोड चुक्खुवाला निवासी अकेश चौहान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी। थोडी देर बाद जब वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब है। उसने काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिजली चोरी का मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। बिजली चोरी करने पर पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उप संस्थान वीरभद्र के सब स्टेशन आपरेटर कमल किशोर ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको सूचना मिली कि श्यामपुर में बिजली की चोरी की जा रही है। जब वह मौके पर पहुंचा तो उसने देखा कि उत्तम सिंह द्वारा बिजली के मीटर से पहले तार काटकर बिजली चोरी की जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने घर के बाहर खडी ई-रिक्शा की बैटरियां व चार्जर चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएल रोड निवासी सुरेश कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी ई-रिक्शा अपने घर के बाहर खडी की थी। सुबह जब रिक्शा के पास पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी रिक्शा की दोनों बैटरियां व चार्जर गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आप नेता केके शर्मा का निधन

देहरादून (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के डोईवाला के सक्रिय नेता केके शर्मा का लम्बी बिमारी के बाद निधन हो गया। आम आदमी पार्टी डोईवाला विधानसभा के वरिष्ठ नेता केके शर्मा का बीते रोज किडनी फेलियर से देहांत हो गया। वह लंबे समय से डोईवाला विधानसभा में आम आदमी पार्टी के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी राजू मौर्य केतन ने बताया कि शुरुआती दौर में संघर्ष के साथी रहे के के शर्मा तबीयत खराब होने के बावजूद वह क्षेत्र में सक्रिय रहते थे। बिजली गारंटी, रोजगार गारंटी कैंपेन में अहम भूमिका निभाने वाले के के शर्मा के दुनिया को अलविदा कह जाने से पार्टी में शोक की लहर है। सुबह से ही पार्टी कार्यकर्ता उनके निवास स्थान पर एकत्र होना शुरू हो गए सभी ने उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की सुबह साढे नौ बजे हरिद्वार मे के के शर्मा का अंतिम संस्कार किया गया।

गंगोलीहाट विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस में कड़ी टक्कर

संवाददाता

बेरीनाग। दो विकास खंडों चार तहसीलों वाली गंगोलीहाट विधानसभा में अब चुनावी बयार नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल चुकी है। विधानसभा के हर क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए मेहनत करने में जुटे है। भले ही विधानसभा चुनाव में इस बार भाजपा और कांग्रेस ने दोनो नये चहरों पर दाव खेला है लेकिन ये चेहरे मतदाताओं कितने भाते है यह १० मार्च को देखने को मिलेगा।

भाजपा ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य पूर्व दर्जा मंत्री फकीर राम टम्टा को अपना प्रत्याशी बनाया है तो कांग्रेस ने पूर्व दर्जा मंत्री खजान गुड्डू को प्रत्याशी बनाया है। दोनों दलों के प्रत्याशियों को टिकट मिलने के बाद शुरूवाती दिनों में विरोध में भी झेलना पड़ा। भाजपा से निर्वतमान विधायक मीना गंगोला ने टिकट नही मिलने पर नारजगी जताई तो कांग्रेस के दो बार के विधायक रहे नारायण राम आर्या ने टिकट नही मिलने पर खुलकर बगावत करने और निर्दलीय चुनाव लड़ने तक का ऐलान कर दिया था। लेकिन भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और मीना गंगोला को मना लिया। वही कांग्रेस के पूर्व विधायक नारायण राम आर्या के भी तेवर कम हो गये और कांग्रेस पार्टी से अलविदा करते हुए चुनाव नही लड़ने का ऐलान भी किया। उसके बाद दोनों दलों के नेताओं को राहत तो मिली है लेकिन इन दोनो नाराज नेताओं का खुलकर प्रचार नही करना ये भी बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। आखिर कैसे घर बैठे अपनी राजनीति की गोठी बैठा रहे होगे। गंगोलीहाट विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस ने बारी बारी से राज किया है। गंगोलीहाट विधानसभा में कांग्रेस का वोट बैंक आज तक के विधानसभा चुनावों में अधिक देखने को मिला है। भाजपा २००७ और २०१७ में जब यहां पर चुनाव जीति है तो तब कांग्रेस के बागवती प्रत्याशीयों की अहम भूमिका रही।

कांग्रेस और भाजपा और आमने सामने के सीधी टक्कर में आज तक भाजपा की झोली में यह सीट नही आई है लेकिन इस बार भाजपा के लिए यह सीट जीतना भाजपा की नाक का सवाल बना हुआ है वर्तमान में सेंटिग विधायक का टिकट काटकर वरिष्ठ भाजपा नेता को यहां पर टिकट दिया गया है। वही कांग्रेस के लिए भी इस सीट पर परचम लहराना अपने गढ़ को बचाना भी अहम होगा। जिस तरह से दो बार के पूर्व विधायक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता का का टिकट काटकर युवा कांग्रेसी नेता को प्रत्याशी बनाया हुआ है। दोनों दलों के कार्यकर्ता अपने प्रत्याशीयों का जीतने का दम भर रहे है लेकिन वर्तमान में जिस तरह से प्रचार किया जा रहा है दोनों में कांटे टक्कर बनी हुई है। भले भाजपा ने अपनी यहां पर सीएम पुष्कर सिंह धामी की चुनावी रैली के बहाने भीड़ जुटाकर अपने पक्ष में माहौल करने की कोशिश की है और आने वाले दिनों में कई स्टार प्रचारक गंगोलीहाट विधासनसभा के विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा के पक्ष में माहौल बनायेगे। लेकिन कांग्रेस के कार्यकर्ता घर घर जाकर प्रचार कर रहे है उनकी अभी किसी बड़ी चुनावी सभा और कोई बड़ा चेहरा यहा पर नही आया हो। भाजपा ने चुनाव जीतने के लिए मतदाता सूची में पन्ना प्रमुख तक बना दिये है पिछले दो वर्षो से लगातार चुनाव की तैयारी में लगे थे। भाजपा का संगठन मजबूत होने के साथ केन्द्र और राज्य में भाजपा की सरकार होने का लाभ भी मिल सकता है कांग्रेस के द्वारा सभी बूथों पर पहले १० युवाओं की टीम तैयार की गयी थी। जो अब अपने बूथों को मजबूत कर रहे। किसी भी प्रत्याशी को कम नही आका जा सकता है। बेरीनाग विकास खंड को प्रदेश गठन के बाद पहली बार विधायक मिलेगा। वह भले भाजपा का हो या कांग्रेस का। विधानसभा २००२ में नारायण राम आर्या गणाई गंगोली,२००७ में जोगा राम टम्टा गंगोलीहाट,२०१२ में नारायण राम आर्य गणाई गंगोली,२०१७ में मीना गंगोला गणाई गंगोली से विधायक थी। गंगोलीहाट विधानसभा में इस बार ५२५६५ पुरूष और ४६५६२ महिला मतदाता कुल मतदाता १०२१८८ है १५१ बूथ है।

रितु खंडूरी के समर्थन में किया जन संपर्क

देहरादून (सं)। रितु खण्डूरी के जनसम्पर्क अभियान में शमीम आलम भी शामिल हुए। कोटद्वार विधानसभा प्रत्याशी श्रीमती रितु खंडूरी के साथ जनसंपर्क कर शमीम आलम ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को विस्तार से बताते हुए और श्रीमती रितु खंडूरी वोट देकर अधिक से अधिक वोटों से विजय बनाने की अपील की। इसके बाद कोटद्वार की प्रत्याशी रितु खंडूरी के साथ झंडा चौक के पास हनुमान मंदिर से बाजार में जनसंपर्क किया।

बारिश में भी प्रचार करने के लिए पहुंचे

बेरीनाग (सं)। भारी बारिश के बाद भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रचार को जोश कम नही हुआ। कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष दीपक नवेलिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अलग टीमें बनाकर गांवों में पहुंची। जहां कांग्रेस के प्रत्याशी खजान गुड्डू के समर्थन में १४ फरवरी को मतदान करने की अपील की। वही कांग्रेस प्रत्याशी खजान गुडडू ने अपने पैतृक गृह बेलकोट पीपलतड मूसगांव,पुरानाथल,गढ़तिर,चनकाना, कालीविनायक आदि क्षेत्रो में जाकर जनसम्पर्क किया और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस मौके पर कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष दीपक नवेलिया,नगर पंचायत अध्यक्ष हेम पंत,हयात बाफिला,संजय बोरा,हिमांशु आगरी,ललित भंडारी,धर्मेन्द्र महरा सहित आदि मौजूद थे।

चुनावी नहीं व्यक्तिगत रंजिश रखना घातक

संवाददाता

देहरादून। चुनाव में प्रत्येक दल अपने आपको दूसरे से बेहतर साबित करने के दावे करता है और एक दूसरे पर अरोप प्रत्यारोप लगाते हैं लेकिन वह मात्र चुनाव तक ही सीमित होना चाहिए, उसी बात को लेकर व्यक्तिगत रंजिश रखकर दूसरों के कार्यालयों व कार्यकर्ताओं पर हमला करना यह ठीक नहीं है।

उत्तराखण्ड राज्य बनने से पहले भी देवभूमि में चुनाव होते थे तथा प्रत्येक दल के नेता एक दूसरे को झूठा साबित करने के लिए नये-नये नारे भी बनाते थे। वह मात्र चुनाव तक ही सीमित होता था तथा उसके बाद सभी एक दूसरे के दुख सुख में शामिल होते थे। चुनाव के बाद कोई भी इस बात को दिल में नहीं रखता था कि चुनाव में किसने किसको क्या कहा था। जबकि उस समय उत्तराखण्ड उत्तर प्रदेश का हिस्सा था लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश या उससे सटे अन्य जिलों की तरह यहां पर ऐसा कुछ नहीं था। जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो प्रधानी के चुनाव में गोलियां चल जाती थी लेकिन उस समय भी देवभूमि उस बातों से अछूती थी। राज्य बनने के बाद भी यहां पर प्रत्येक चुनाव में आपसी भाईचारा कायम रहता था। चुनावी रंजिश तो यूपी व बिहार के जनपदों में ही सुनायी पडती थी। लेकिन उत्तराखण्ड में ऐसा कुछ नहीं सुनने को मिलता था कि फलां पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुण्डागर्दी दिखायी हो। समय के साथ शायद यहां का माहौल भी बिगडता दिखायी दे रहा है।

अभी हाल ही में सितारगंज में कुछ लोगों ने चुनाव के दौरान प्रचार के लिए लाये जा रहे रूपयों को पकडने के लिए बनायी गयी स्ट्रेटिक सर्विलास टीम पर हमला कर दिया। हमला ही नहीं टीम के सदस्यों को दौडा-दौडा कर पीटा और उनके दस्तावेज भी फाड दिये। यह मामला भी पहली बार सुनने को मिला कि सरकारी कर्मचारियों पर दबंगों ने हमला कर दिया। इसके बाद राजधानी में एक दल के लोगों पर दूसरे दल के कार्यालय में पहुंचकर वहां पर तोडफोड व कार्यकर्ताओं के मारपीट का आरोप भी लगा है तथा इस मामले में मुकदमा भी दर्ज कराया गया। यह बात अपने आपमें एक सोचनीय विषय बन गया है कि चुनावी रंजिश उत्तराखण्ड में इस कदर बढती जा रही है कि एक दूसरे के कार्यालयों पर हमले होने लगे हैं। यह पहले कभी नहीं दिखायी दिया था। यह तो आम चुनाव है जिसमें कहा जाता है कि नेता काफी सुलझे व खुले दिमाग के लोग होते है तो फिर इस प्रकार की घटना कैसे हो गयी। जबकि ऐसा माहौल तो कभी कालेज चुनाव में भी नहीं देखने को मिलता है। तो फिर यह कैसे हुआ इसपर काफी चिन्तन करना होगा कि इस प्रकार की घटना हुई तो क्यों हुई? इस प्रकार की घटना की पूर्नावत्ति ना हो इस पर भी नेताओं को मंथन करना होगा। क्योंकि यह देवभूमि है यहां पर इस प्रकार की घटनाएं होना अपने आप में चिन्ता का विषय है। यह मात्र चुनाव तक ही सीमित होना चाहिए। इसको व्यक्तिगत रंजिश ना बनाया जाये।

पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स ने किया फ्लैग मार्च

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मतदाताओं को जागरुक किये जाने तथा निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान कराये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक रूद्रप्रयाग आयुष अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में आज पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग प्रबोध कुमार घिल्डियाल, एवं पुलिस उपाधीक्षक, ऑपरेशन्स, हर्षवर्द्धनी सुमन के नेतृत्व में कस्बा रुद्रप्रयाग में पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स (आईटीबीपी) व इण्डियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के जवानों द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। इस अवसर पर पीए सिस्टम के माध्यम से लोगों को जागरुक किया गया कि, मतदान उनका संवैधानिक अधिकार है। किसी भी प्रकार के भय, लालच एवं लोभ के बिना पर अपने मत का प्रयोग किये जाने हेतु बताया गया। लोकतन्त्र के महापर्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने मत का प्रयोग निर्भीक होकर किये जाने हेतु अवगत कराया गया। साथ ही कोविड से बचने हेतु सुझाये गये नियमों का पालन करने, मास्क धारण करने, सैनिटाइजर का प्रयोग करने, सामाजिक दूरी बनाये रखने की अपील भी की गयी। आज आयोजित हुए फ्लैग मार्च में पुलिस उपाधीक्षक, प्रशिक्षु विमल रावत, प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली रुद्रप्रयाग जयपाल सिंह नेगी, सहित पैरामिलिट्री फोर्स, आईआरबी व जनपद पुलिस के जवान मौजूद रहे।

विश्व कैसर दिवसः पुलिस लाइन में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखण्ड पुलिस वाइफ वेलफेयर एसोसिएशन के सौजन्य से पुलिस परिवार के बच्चों के लिए विश्व कैसर दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

आज यहां विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड पुलिस वाइफ वेलफेयर एसोसिएशन के सौजन्य से उपवा अध्यक्ष डा0 अलकनंदा अशोक कुमार के मार्गदर्शन में संयुक्त सचिव उपवा डाक्टर गीतिका खण्डूरी के प्रयासों से पुलिस लाइन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें राजकीय दून चिकित्सालय के चिकित्सक डाक्टर नेहा महाजन (कैंसर सर्जन) डाक्टर ललित मोहन (कैंसर विशेषज्ञ) डाक्टर अभिषेक (कैसर विशेषज्ञ) डाक्टर सौरभ सिंह (जनरल फिजिशियन) द्वारा महिला पुलिस कर्मियों तथा पुलिस परिवार की महिलाओं को परामर्श देकर जागरूक किया गया तथा उनका चिकित्सीय परीक्षण (मैमोग्राफी) की गयी। आज आयोजित किये गये मेडिकल कैम्प पुलिस लाइन, पुलिस कालोनी कंडोली, बसंत विहार तथा किशनपुर कालोनी से 57 पुलिस परिवारजनों द्वारा अपना चैकअप कर करवाया गया।

दस पेटी शराब व स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने दस पेटी शराब व स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक कार संख्या यूके 14 सी 9787 को रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। कार की तलाशी ली तो कार से पुलिस ने दस पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवम त्यागी पुत्र महेश त्यागी निवासी आशुतोष नगर ऋषिकेश बताया। उसने बताया कि वह श्यामपुर में ट्रेवल एजेंसी चलाता है तथा यह शराब वह श्यामपुर में बेचने के लिए ले जा रहा था। वहीं विकासनगर कोतवाली पुलिस ने कल्याणपुर चौकी क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में घुमते एक युवक को पकड उसकी तलाशी ली तो उसके कब्ज से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम साजिद खान पुत्र शरबदीन खान निवासी ग्राम डांडा जीवनगढ बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महिला कांग्रेस ने मसूरी विधनसभा में किया प्रचार

देहरादून (संवाददाता)। महिला कांग्रेस नेत्रियों ने मसूरी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी गोदावरी थापली के लिए प्रचार प्रसार किया।

आज यहां मसूरी विधानसभा में श्रीमती गोदावरी थापली के पक्ष में महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश रमन के नेतृत्व में विभिन्न वार्डों में जाकर प्रचार प्रसार किया। काठ बंगला, पथरिया पीर, किशन नगर, कैनाल रोड विभिन्न बस्तियों में जाकर कांग्रेस के विचारों को रखा। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर जनमानस में बहुत ही नाराजगी देखी गई है बदलाव की बयार के साथ जनता का मन इस बार कांग्रेस की सरकार लाना है। श्रीमती ज्योति रौतेला ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो महिलाओं को महंगाई से निजात मिलेगी बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा पलायन रुकेगा विकास के कार्य होंगे स्वास्थ्य शिक्षा सेवाएं सुचारू होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती गोदावरी थापली प्रत्याशी, श्रीमती उर्मिला थापा, श्रीमती चंद्रकला नेगी, श्रीमती आशा शर्मा, श्रीमती प्रियंका भंडारी, किरण बाला, आशा थापा वार्ड अध्यक्ष नीरज विमला चौहान, उपेंद्र नेगी, नीरज पूजा आदि शामिल रहे।

कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे के इस्तेमाल से आप माइग्रेन के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं

आजकल हर दूसरा व्यक्ति माइग्रेन की समस्या से परेशान हैं। इस परेशानी की गिरफ्त में आने की मुख्य वजह खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान है। माइग्रेन से पीड़ित व्यक्ति को बेहद असहनीय दर्द का सामना करना पड़ता है। खासकर सर्दियों के मौसम में तो माइग्रेन का दर्द जीना मुहाल कर देता है। सिर में हवा लगने, ठंड के चलते, खून का बहाव कम होने और आदि कारणों की वजह से दर्द का सामना करना पड़ता है। जब भी ये दर्द होता है तो किसी भी काम को करना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दवा भी काम नहीं आती और तो और कई मामलों में इंजेक्शनों तक लेने की नौबत आ जाती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे के बारे में जिनके इस्तेमाल से आप माइग्रेन के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं।

माइग्रेन सिरदर्द की समस्या का ही एक प्रकार है जिसमें सिर्फ सिर के आधे हिस्से में होता है। कई बार यह दर्द इतना तेज होता है कि इसे बर्दाश्त कर पाना काफी मुश्किल होता है। माइग्रेन की समस्या होने पर घबराहट, उल्टियां, आँखो में दर्द होना, जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

मुलेठी

आयुर्वेदिक जड़ी बूटी मुलेठी कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल पौधे के तने की छाल को सुखाकर किया जाता है। ये एक ऐसा घरेलू नुस्खा है जिसका इस्तेमाल कई बीमारियों से बचने के लिए किया जा सकता है। अगर आपको माइग्रेन की समस्या हैं तो मुलेठी पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए बस आप शहद में मुलेठी पाउडर मिलाकर इसकी कुछ बूंदे नाक में डाल लें। इससे आपको काफी राहत मिलेगी।

मखाना और खसखस

मखाना और खसखस एक ऐसा आर्युवेदिक उपाय है जिसे भयंकर माइग्रेन में भी राहत मिलती है। इसके लिए बस आप मखाना और खसखस की खीर बनाकर इसका सेवन करें।

अश्वगंधा

अश्वगंधा कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में कारगर है। ये माइग्रेन की समस्या में भी काफी लाभदायक मानी जाती है। इसके लिए बस आप अश्वगंधा की जड़ को उबालकर इसे दूध के साथ खाएं। इससे माइग्रेन के दर्द में काफी मदद मिलती है। इसके अलावा दूध के साथ अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद मिलती है।

लौंग का पाउडर

अगर आपको सिर में बहुत तेज दर्द है तो इसमें लौंग का पाउडर आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए बस आप लौंग के पाउडर में नमक मिलाकर, दूध के साथ इसका सेवन करें। इससे आपको तुरंत राहत मिलेगी।

लैवेंडर ऑयल

लैवंडर ऑयल माइग्रेन के दर्द को दूर करने में काफी असरदार होता है। इसमें एंटी-एंग्जायटी और एंटीडिप्रेसन्ट गुण मौजूद होते हैं जो देर्द में आराम दिलाते हैं। इसके लिए आप करीब 15 मिनट तक लैवंडर ऑयल को इनहेल कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -113

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

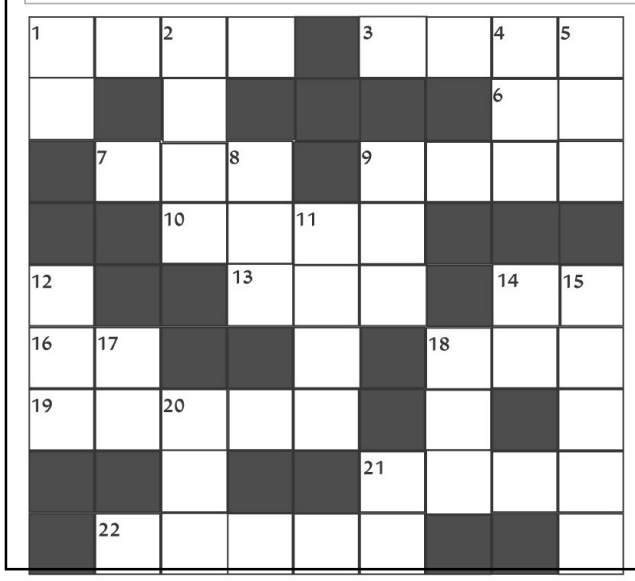

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 112 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

पठान व टाइगर-3 में नजर नहीं आएंगे ऋतिक!

लम्बे समय से बॉलीवुड के गलियारों में इस बात को लेकर चर्चा चल रही थी कि आदित्य चोपड़ा शाहरुख अभिनीत फिल्म पठान में जहाँ सलमान खान को टाइगर के रूप में दिखाने वाले हैं वहीं वे अपनी दूसरी कॉप फिल्म वार के कबीर को भी पठान में दिखाने की तैयारियों में हैं। हालांकि पहले यह समाचार आ रहे थे कि ऋतिक रोशन ने आदित्य चोपड़ा के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। लेकिन जो समाचार सामने आ रहे हैं उनके अनुसार दर्शकों को इन तीनों को एक साथ देखने के लिए इंतजार करना होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक पठान या टाइगर-3 में यह तीनों सितारे एक साथ नहीं होंगे और ये पहले से ही तय था। जब तक सिद्धार्थ आनन्द के निर्देशन में बनने वाली वॉर 2 पूरी नहीं हो जाती है, तब तक इन तीनों सितारों को एक साथ नहीं दिखाया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने कहा, जो जानते हैं कि पठान और टाइगर 3 की स्क्रिप्ट में क्या है वो पुख्ता तौर पर बता सकते हैं कि ऋतिक रोशन का कैरेक्टर कभी इन फिल्मों में पठान या टाइगर से मिलने वाला नहीं था। आदित्य चोपड़ा नीतिगत तरीके से अपनी स्पाई फ्रेंचाइजी बना रहे हैं और जब सलमान खान, ऋतिक रोशन और शाहरुख खान एक साथ टाइगर, पठान और कबीर के तौर पर मिलेंगे वो केवल वॉर के बाद ही होगा। और ये प्लान शुरू से ही था।

गौरतलब है कि अभी तक पठान में सलमान खान टाइगर वाले रोल में कैमियो करते नजर आएंगे और उसी तरह टाइगर-3 में भी शाहरुख खान के कैमियो की बात कही जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान ने पठान में अपना हिस्सा शूट कर लिया है। पठान में अब सिर्फ कुछ पैच वर्क बाकी है फिल्म पूरी हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर सलमान खान की टाइगर-3 की शूटिंग कोविड के कारण रुकी हुई है। जबकि ऋतिक रोशन की वॉर 2 पर अभी कुछ भी काम शुरू नहीं हुआ है।

रसिका दुग्गल ने शुरू किया स्पाइक का दूसरा शेड्यूल

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में स्पाइक के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। शेड्यूल पहले 17 जनवरी को अभिनेता के जन्मदिन पर शुरू होने वाला था। हालांकि, कोविड-19 की तीसरी लहर के साथ बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के कारण, स्पाइक की टीम ने इसे स्थगित कर दिया।

अपनी भूमिका के लिए नए कौशल सीखने को लेकर रोमांचित रसिका ने स्पाइक की शूटिंग शुरू करने से पहले मुंबई में तीन महीने तक वॉलीबॉल का प्रशिक्षण लिया।

रसिका कहती हैं, बहुत आगे-पीछे, कई बाधाओं और हमारी तारीखों को साकार करने के कई प्रयासों के बाद .., हम आखिरकार स्पाइक का दूसरा शेड्यूल शुरू करने में कामयाब रहे हैं। जैसे-जैसे हम अंत के करीब आते हैं, मैं इसके बारे में उत्सुक हूं यह कहानी एक साथ कैसे आएगी।

जब मैं ब्रेक के बाद किसी किरदार में वापस जाती हूं तो मैं हमेशा थोड़ा नर्वस रहती हूं। लेकिन उस घबराहट को गले लगाना और उसके साथ काम करना हमेशा अच्छा होता है। देखते हैं कि यह शेड्यूल अपने साथ क्या अनुभव लाता है! आखिरकार, पहाड़ियां हमेशा जादू को प्रेरित करती हैं।

रसिका की आने वाली परियोजनाओं में दिल्ली क्राइम सीजन 2, लॉर्ड कर्जन की हवेली और कुछ और अघोषित परियोजनाएं शामिल हैं।

प्रशांत नील की इस एक्शन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी श्रुति हासन

प्रभास अभिनीत सालार के निर्माताओं ने फिल्म की नायिका श्रुति हासन को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने के लिए एक विशेष जन्मदिन का पोस्टर जारी किया है। जैसा कि गब्बर सिंह की अभिनेत्री ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन मनाया, उनकी आगामी फिल्म- सालार के नायक प्रभास ने एक तस्वीर जारी करने के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। पोस्टर शेयर करते हुए प्रभास ने लिखा, मेरी मनोरंजक नायिका, सेट पर एनर्जी बॉल श्रुति हासन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! सालार।

श्रुति हासन प्रशांत नील के निर्देशन में बनने वाली आगामी फिल्म सालार में आद्या नाम की भूमिका निभा रही हैं। हालांकि मेकर्स ने पोस्टर में ज्यादा खुलासा नहीं किया है, श्रुति हासन एक साधारण लंबी बाजू की पोशाक में नजर आ रही हैं और वह आसमान की ओर देख रही हैं।

सालार प्रभास की विशेषता के लिए उच्च बजट वाली आने वाली फिल्मों में से एक है।

जैसे फिल्म केजीएफ ने उन्हें इतनी प्रसिद्धि दिलाई, वैसे ही प्रशांत नील सालार से उम्मीदें लगा रहे हैं ताकि अपना अच्छा काम जारी रख सकें।

हालांकि यह बताया गया है कि शूटिंग के कुछ शेड्यूल को खत्म कर लिया गया है, आने वाले शेड्यूल निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण होंगे। चंदन का प्रोडक्शन बैनर केजीएफ फेम होम्बले फिल्म्स सालार को नियंत्रित कर रहा है।

बहुत लोगों को लगता है मैं अब भी सलमान पर निर्भर हुं, पर ऐसा नहीं है:जरीन खान

अभिनेत्री जरीन खान भले ही लंबे समय से बॉलीवुड में हैं, लेकिन अभी तक उन्होंने इंडस्ट्री में खुद की कोई पहचान नहीं बनाई है। जरीन को बॉलीवुड में सलमान खान लेकर आए थे। सलमान ने उसके बाद भी जरीन को मौके दिए, लेकिन जरीन अपना जादू नहीं चला पाईं। हाल ही में जरीन ने कहा कि बहुत से लोगों को लगता है कि वह अब भी सलमान पर निर्भर हैं, जबकि ऐसा नहीं है। जरीन ने कहा, बहुत से लोगों की अब भी यह धारणा है कि सलमान मेरी मदद करते रहे हैं। मैं सलमान का शुक्रिया अदा करती हूं, क्योंकि उन्होंने ही मुझे इंडस्ट्री में घुसने का मौका दिया, लेकिन मेरा संघर्ष तब शुरू हुआ, जब मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा बनी। उस समय मैं कुछ नहीं जानती थी। जरीन ने यह भी कहा, जब तक आप ए-लिस्टर नहीं होंगे, लोग आपका इंतजार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, सलमान एक दोस्त हैं और बस एक फोन कॉल दूर हैं, लेकिन मैं उन्हें परेशान नहीं करती हूं। ऐसा करना मेरे संघर्ष, कड़ी मेहनत को कमजोर करता है।

जरीन कहती हैं, मेरे पिताजी ने हमें छोड़ दिया था, इसलिए मैं ही थी, जिसने अपने परिवार की जिम्मेदारी ली। मेरे पास मेरी मदद करने या मेरा मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा, कई बार ऐसा भी हुआ, जब मैंने इंडस्ट्री में खुद को खोया हुआ महसूस किया। मैं अच्छा काम करना चाहती थी, लेकिन मुझे अपना एक्टिंग टैलेंट दिखाने की अनुमति नहीं मिली। लोगों ने अनुमान लगा लिया कि मैं बस खूबसूरत हूं। इससे ज्यादा कुछ नहीं।

इससे पहले जरीन ने कहा था, काम के लिए फिल्ममेकर बोल्ड तस्वीरों की डिमांड करते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लोग बड़े चेहरे को देखना चाहते हैं। मुझे जो भी प्रोजेक्ट मिलता है, उसके लिए मुझसे हॉट तस्वीरें दिखाने को कहा जाता है या तो बोल्ड सीन से भरे प्रोजेक्ट ही मिलते हैं। उन्होंने कहा था, मैं अब तब तक अभिनय नहीं करूंगी, जब तक मुझे मेरी पसंद का प्रोजेक्ट नहीं मिल जाता, जिसे करने में मैं सहज महसूस करूं।

नेटफ्लिक्स सीरीज से ओटीटी डेब्यू करेंगे दुलकर सलमान

इस साल बॉलीवुड के कई बड़े कलाकार ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाले हैं। अब इस कड़ी में दक्षिण भारतीय सिनेमा के एक बड़े कलाकार का नाम जुड़ गया है। खबरों की मानें तो मलयालम सुपरस्टार दुलकर सलमान बहुत जल्द अपना ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। दिलचस्प बात यह है कि वह राजकुमार राव और आदर्श गौरव के अभिनय से सजी नेटफ्लिक्स की सीरीज से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना कदम रखेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुलकर नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज से ओटीटी पर अपना डेब्यू करेंगे। इस सीरीज को द फैमिली मैन के निर्माता राज निदिमोरु और कृष्णा डीके बनाएंगे। एक सूत्र ने कहा, दुलकर को पिछले दो वर्षों में कई वेब फिल्में और शो ऑफर की गई हैं, लेकिन उन्होंने इन प्रस्तावों का खारिज कर दिया था। वह इन प्रोजेक्ट्स के विषय से संतुष्ट नहीं थे। वह अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए खास प्रोजेक्ट की तलाश में थे।

सूत्र ने बताया की दुलकर को जिस तरह के प्रोजेक्ट की तलाश थी, वो अब राज और डीके की सीरीज के साथ पूरी हो गई है। इस सीरीज को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा। यह कॉमेडी थ्रिलर सीरीज तीन प्रमुख पात्रों के इर्दगिर्द घूमती है। दुलकर इस सीरीज में राजकुमार और आदर्श के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आदर्श को द व्हाइट टाइगर से अपार लोकप्रियता मिली थी, जबकि राजकुमार मंझे हुए अभिनेता हैं। इस सीरीज के लिए पहले दिलजीत दोसांझ के नाम की चर्चा चली थी। दुलकर ने इस प्रोजेक्ट में दिलजीत को रिप्लेस किया है। दिलजीत इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभाने वाले थे, लेकिन डेट्स के इश्यू के कारण उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को बाहर कर लिया। इस शो की शूटिंग पहले ही देहरादून में शुरू हो चुकी है। एक ही शेड्यूल में लगातार इसकी शूटिंग की जाएगा। मार्च के अंत में सीरीज की शूटिंग समाप्त होगी। दुलकर अभी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। इस संक्रमण से उबरने के बाद वह सीरीज की शूटिंग शुरू करेंगे। वह बॉलीवुड फिल्म कारवां व जोया फैक्टर का भी हिस्सा रह चुके हैं और हिन्दी पट्टी के ज्यादातर दर्शक उन्हें इन्हीं फिल्मों से जानते हैं। दुलकर जल्द ही निर्देशक आर बाल्की की फिल्म चुप में सनी देओल के साथ नजर आएंगे। उन्हें मलयालम फिल्म सैल्यूट में भी देखा जाएगा। राज और डीके की यह सीरीज दुलकर का चौथा हिन्दी प्रोजेक्ट होगा।

रेड ब्रालेट-स्कर्ट में उर्वशी ने शेयर की मिरर सेल्फी

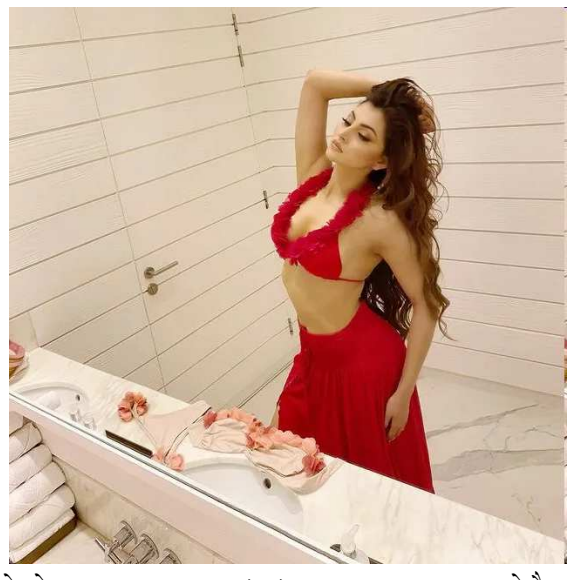

बोल्ड लुक्स और किलर एटीट्यूड से सोशल मीडिया का टेंपरेचर हाई रखने वाली उर्वशी रौतला का हर अंदाज फैंस के दिलों को जख्मी कर रहा है. सोशल मीडिया पर उर्वशी की पॉपुलैरिटी किसी से छिपी हुई नहीं है. फैंस अभिनेत्री के फोटोज और वीडियोज का बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे है. उर्वशी भी अपने फैंस को कभी निराश नहीं करने वाली है. अभिनेत्री अपनी सुपर सिजलिंग फोटोज और वीडियो के चलते लाइमलाइट में बनी हुई है.

उर्वशी ने एक बार फिर अपने बोल्ड अवतार से फैंस की धड़कनों को और भी बढ़ा दिया है. अभिनेत्री ने बाथरूम से अपनी एक सिजलिंग तस्वीर साझा करके फैंस को अपना दीवाना बना चुका है. उर्वशी ने रेड- ब्रालेट और मैचिंग कलर के लॉन्ग स्कर्ट में एक मिरर तस्वीर साझा की है. अभिनेत्री ने बोल्ड ड्रेस संग अपने मेकअप को न्यूड रखा है. ओपन कर्ली हेयर में उर्वशी बहुत स्टनिंग लग रही हैं. एक्ट्रेस के लुक्स और किलर एटीट्यूड के साथ उनका पोज भी बहुत शानदार लग रहे है. तस्वीर में उर्वशी एक हाथ से अपने बालों को पकड़कर किलर पोज देती हुई दिखाई दे रही है. अभिनेत्री का लुक ग्लैमरस होने के साथ बहुत सिजलिंग भी है.

वर्शी की इस स्टनिंग फोटो पर फैंस अपना दिल हार चुके है. अभिनेत्री की तस्वीर को अब तक 5 लाख से अधिक लोग लाइक भी कर चुके है. कमेंट सेक्शन में अभिनेत्री की तारीफों के पुल बांध भी बांधने लगे है. कोई अभिनेत्री को ब्यूटीफुल बता रहा है तो कोई वाव लिखकर अपने रिएक्शन दे रहा है. इसके साथ साथ कमेंट सेक्शन में हार्ट और फायर इमोजी की भी बौछार आ गई है.

भारतीय प्रशासनिक सेवा में सुधार की आवश्यकता

राघव चंद्र

हमें आईएएस कैडर नियमों में सुधार को किस परिप्रेक्ष्य में देखना चाहिए? क्या स्थानीयता या उनके अखिल भारतीय स्वरूप को प्राथमिकता दी जानी चाहिए? क्या राज्यों में नियुक्त आईएएस अधिकारियों के करियर के सन्दर्भ में राज्य सरकारों को व्यापक अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या अधिकारियों को व्यक्तिगत तौर पर यह तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए कि वे कहाँ सेवा देना चाहते हैं?

ये प्रश्न आईएएस (कैडर) नियम, 1954 में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में कुछ राज्यों द्वारा दी गयी तीखी प्रतिक्रिया के संदर्भ में प्रासंगिक हो जाते हैं। प्रस्तावित संशोधनों के तहत केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्त किए जाने वाले अधिकारियों से संबंधित निर्णय राज्य के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा लिया जाएगा। राज्य सरकार और केंद्र के बीच किसी भी तरह की असहमति की स्थिति में केंद्र सरकार का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

व्यापक स्तर पर, इस उलझन का सबसे अच्छा जवाब उन शब्दों में मिलता है, जो सत्तर साल पहले राजनेता-प्रशासक सरदार पटेल, जिन्हें सिविल सेवाओं के संरक्षक के रूप में जाना जाता था, ने नवनिर्मित स्टील फ्रेम से अपेक्षाओं के बारे में कहा था: आईसीएस और आईपी के उत्तराधिकारी, इन सेवाओं में मौजूदा व्यापक अंतराल को भरने के अलावा, देश की एकता और प्रशासनिक ढांचे को मज़बूत बनाने में योगदान देंगे एवं दक्षता तथा एकरूपता के उच्च स्तर का निर्माण करेंगे।

आईएएस अधिकारियों की भर्ती केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के माध्यम से सावधानीपूर्वक की जाती है, लेकिन उनकी सेवाओं को विभिन्न राज्य सरकारों के अधीन रखा जाता है। हालांकि यह सेवा शर्तों का हिस्सा है कि वे राज्य और केंद्र दोनों के तहत अनिवार्य रूप से सेवा प्रदान करेंगे, लेकिन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कोई न्यूनतम अवधि निर्धारित नहीं की गयी है। वर्तमान में, एक राज्य में अधिकारियों की स्वीकृत संख्या का 40 प्रतिशत केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आरक्षित या सीडीआर माना जाता है, जिसके आधार पर राज्य के आईएएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आ सकते हैं। अतीत में, कुछ कैडर में, जैसे समस्याग्रस्त पूर्वोत्तर के अधिकारियों के लिए, दिल्ली में प्रतिनियुक्ति एक प्रमुख आकर्षण थी और सीडीआर तक का उल्लंघन किया गया था। हालांकि, समय के साथ, राज्यों में जमीनी स्तर के माहौल और स्थितियों में काफी बदलाव आया है- अधिकारियों के पास कई प्रभार हैं और इसलिए संसाधनों का उपयोग और कार्य क्षेत्र व्यापक हुए हैं- जिससे राज्य में प्रतिनियुक्ति आकर्षक हो गयी है। इसके अलावा, उप सचिव और निदेशक स्तर पर दिल्ली की प्रतिनियुक्ति को कुर्सी पर बैठकर फाइलों को निपटाने के नीरस कार्य के रूप में देखा जाता है, जिसमें जनता के साथ शायद ही कोई संपर्क हो पाता है तथा प्रयोग और नवाचार के लिए गुंजाइश सीमित होती है। इस प्रकार, यह एक चिंताजनक स्थिति है कि युवा अधिकारी, केंद्र सरकार में काम करने का अनुभव प्राप्त किए बिना राज्य में तब तक बने रहने का प्रबंध कर लेते हैं, जब तक वे संयुक्त सचिव के स्तर तक नहीं पहुंच जाते।

यह देखते हुए कि 2011 में सीडीआर उपयोग 25 प्रतिशत से कम होकर 18 प्रतिशत हो गया है, भारत सरकार की केंद्र-प्रतिनियुक्ति के लिए राज्यों द्वारा पर्याप्त संख्या में अधिकारियों को नियुक्त करने की प्रतिबद्धता संबंधी पहल पूरी तरह से उचित है। आईएएस अधिकारी सभी स्तरों पर सरकार के मुख्य आधार माने जाते हैं और प्रत्येक मंत्रालय को कुछ उप सचिवों और निदेशकों की आवश्यकता होती है, जिन्हें विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए अधिकारी और प्रशासक के रूप में क्षेत्र का अनुभव हो, ताकि वे जमीन से जुड़ी और लाभार्थी-उन्मुख नीतियों को तैयार करने में मदद कर सकें। कुछ राज्यों का तर्क है कि यह व्यवस्था अधिकारियों को राज्य को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने से रोकेगी, क्योंकि वे इस बारे में अनिश्चित रहेंगे कि उन्हें आगे कहाँ नियुक्ति मिलेगी। लेकिन राज्य यह भूल जाते हैं कि केंद्र और राज्य सरकार में वैकल्पिक रूप से काम करना आईएएस अधिकारियों के सर्वोत्तम हित में है, ताकि अधिकारी राष्ट्रव्यापी और राज्य-विशिष्ट योजना निर्माण, दोनों के उपयुक्त मिश्रण के साथ अपने स्वयं के अनुभव को समृद्ध कर सकें।

अधिकारियों को भारत सरकार की तुलना में राज्यों में अनिश्चितता के उच्च स्तर के बारे में अवगत होना चाहिए, जहां सत्ता में कार्यकाल के पहले कई बार बदलाव हो सकता है और शासन की शक्तियों का अनुचित इस्तेमाल किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, हम अधिकारियों के बार-बार और अनुचित तबादलों को देखते हैं। सत्ता में पार्टी के करीबी लोगों का विरोध करने के लिए कुछ अधिकारियों को बेवजह दंडित किया जाता है और यहां तक कि केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर जाने की अनुमति देने से भी इनकार कर दिया जाता है। दूसरी ओर, ऐसे अधिकारी भी होते हैं, जिन्हें स्थानीय वफादारी के लिए निरंतर संरक्षण प्रदान किया जाता है- जो उन्हें राज्य में हमेशा के लिए अपरिहार्य बना देता है। कुछ अधिकारी अपना पूरा करियर राज्य से बाहर एक बार भी प्रतिनियुक्ति पर गए बिना समाप्त कर देते हैं।

मुख्यत: इसी कारण से एक ऐसी व्यवस्था बनाना महत्वपूर्ण है, जिससे आईएएस अधिकारी अपने करियर का कम से कम एक तिहाई भाग केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर बिताएं, जिसमें से कम से कम 7 साल का कार्यकाल उप सचिव/निदेशक स्तर का होना चाहिए। आईएएस को एक केंद्रीय अतिविशिष्ट वर्ग के रूप में भी तैयार करना आवश्यक है, जिसमें राष्ट्र के प्रति उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धता हो तथा राज्य कैडर के प्रति संकुचित निष्ठा नहीं हो। जब अधिकारी राज्य से बाहर प्रतिनियुक्ति पर जाते हैं तो उन्हें अन्य राज्य में प्रतिनियुक्ति भी स्वीकार्य होनी चाहिए, यदि वे दिल्ली में काम करने के इच्छुक नहीं है। इससे आईएएस अधिकारी अपनी प्रांतीय मानसिकता का परित्याग करने में सक्षम होंगे। तभी आईएएस के अखिल भारतीय स्वरूप को संरक्षित किया जा सकता है और इससे देश की एकता एवं शासन मानकों में एकरूपता, जिन्हें सरदार पटेल द्वारा निर्धारित किया गया था, के सन्दर्भ में प्रत्यक्ष लाभ होंगे।

एक अन्य स्तर पर, भर्ती के समय यह साफ़ तौर पर स्पष्ट किया जाना चाहिए कि अधिकारियों को केंद्र सरकार और राज्यों में एक निश्चित अवधि के लिए सेवा प्रदान करनी होगी। समावेशी और आधुनिक मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए, सरकारी खर्च पर दुनिया के सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण को करियर नियोजन के हिस्से के रूप में अनिवार्य किया जाना चाहिए। अधिकारियों को उनकी सेक्टर आधारित विशेषज्ञता और पसंद के अनुरूप सरकारी नौकरियों में आवेदन की सुविधा के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली तैयार की जानी चाहिए। यहां तक कि यदि अधिकारी अपने करियर के दौरान सीमित अवधि के लिए निजी क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो उन्हें कॉर्पोरेट जगत के सर्वोत्तम तौर-तरीकों को जानने-समझने के लिए बाहर निकलने की अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि वे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करें, जिसमें निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र सहयोगात्मक रूप से काम कर सकें।आईएएस अधिकारियों का सबसे अच्छा उपयोग तब किया जाएगा जब उन्हें विश्व स्तर पर या केंद्र सरकार में और राज्यों में कुशलता से काम करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव के साथ एक विशिष्ट कोर के रूप में तैयार किया जाएगा और उनकी तैनाती की जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करें और उनके सर्वोत्तम योगदान के लिए उन्हें एक अनुकूल कार्य वातावरण प्रदान करें, केंद्र को राज्यों के साथ एक ऐसा दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जो परामर्श, सहिष्णुता और अभिभावक होने की भावना पर आधारित हो।

लेखक पूर्व आईएएस हैं तथा भारत सरकार के पूर्व सचिव रहे हैं

सू- दोकू क्र. 113

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.112का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

विसंगतियों का प्रतिकार

रेलवे भर्ती बोर्ड की विभिन्न श्रेणियों की परीक्षाओं की विसंगतियों को लेकर बिहार व उत्तर प्रदेश में परीक्षार्थियों का हिंसक विरोध इस बात का संकेत है कि नौकरियों के लिये होने वाली परीक्षाओं को लेकर धैर्य चूकने लगा है। हालांकि, इन आंदोलनों के पीछे कुछ अन्य घटक भी होते हैं, लेकिन बेरोजगारी की चिंताजनक स्थिति आक्रोश को बढ़ाने का ही काम कर रही है।

यह तंत्र की नाकामी का ही उदाहरण है कि वर्ष 2019 में रेलवे के विभिन्न वर्गों के पदों के लिये घोषित नौकरियों की परीक्षाएं अब तक पूरी नहीं हो पायी हैं। ऐसे में बढ़ते विलंब से प्रतियोगी परीक्षाओं की आयु सीमा निकलते देख बेरोजगारों का धैर्य जवाब देना स्वाभाविक ही है। लेकिन इसके बावजूद हिंसक प्रदर्शनों व रेलवे की संपत्ति को क्षति पहुंचाने को कतई तार्किक नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, छात्रों के उग्र प्रदर्शन के बाद अब रेलवे ने कुछ परीक्षाओं को स्थगित किया है और छात्रों की समस्याओं को सुनने के लिये पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति रेलवे भर्ती बोर्ड की गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी के लेवल-1 की परीक्षा में पास हुए व फेल हुए छात्रों से बात करके रिपोर्ट रेल मंत्रालय को सौंपेगी। यह जांच पहले चरण की परीक्षा के परिणाम तैयार करने के तरीकों के बारे में होगी। यद्यपि परीक्षा में पास छात्रों की सूची में कोई बदलाव नहीं किया जायेगा। कमेटी दूसरे चरण की परीक्षा पर अपने सुझाव देगी। कमेटी की रिपोर्ट आने तक पंद्रह फरवरी, 2022 को होने वाली दूसरे चरण की परीक्षा और 23 फरवरी, 2022 को होने वाली परीक्षाओं की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। दरअसल, रेलवे भर्ती बोर्ड के गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी यानी एनटीपीसी की पहले चरण की परीक्षा के परिणाम को लेकर बिहार व उत्तर प्रदेश के छात्र नाराज हैं। वैसे सवाल उठाया जा रहा है कि 14 जनवरी को घोषित परीक्षा परिणामों को लेकर 24 जनवरी को आंदोलन क्यों हुआ। यह भी कि आंदोलन बिहार व उत्तर प्रदेश में ही क्यों हुआ।

दरअसल, रेलवे की इन नौकरियों के लिये वर्ष 2019 में आवेदन मांगे गये थे। उसी वर्ष सितंबर माह में ये परीक्षाएं आयोजित होनी थीं। इसमें विलंब हुआ और दिसंबर 2020 और जुलाई 2021 में देशभर में पहले चरण की भर्ती परीक्षा आयोजित की गई जिसके परीक्षा परिणाम 14 जनवरी को घोषित हुए। दरअसल, ग्रुप सी- लेवल-1 के लिये वर्ष 2019 में एक लाख नौकरियों हेतु आवेदन मांगे गये थे। इसके लिये करीब एक करोड़ पंद्रह लाख आवेदन मिले। इतनी बड़ी संख्या में आवेदकों के आवेदन की वजह से भी परीक्षा आयोजन में व्यवधान उत्पन्न हुआ जिसके चलते पहले चरण की परीक्षा 23 फरवरी 2022 को आयोजित होनी थी, जिसे अब टाल दिया गया है। आवेदकों की संख्या को देखते हुए रेलवे ने परीक्षा को अब दो चरणों में करवाने का फैसला किया है। ये परीक्षाएं लेवल दो से लेवल छह तक विभिन्न पदों के लिये होनी थीं। एक विसंगति यह है कि एनटीपीसी परीक्षा के कुछ पदों के लिये शैक्षिक योग्यता बारहवीं पास है तो कुछ के लिये स्नातक है। जिन परीक्षाओं के लिये न्यूनतम योग्यता बारहवीं पास है, उसमें स्नातक योग्यता वाले आवेदकों ने भी आवेदन किया है। इससे पहली श्रेणी वाले आवेदकों को लगता है कि उनके लिये नौकरी की संभावना कम हो जायेगी। रेलवे ने विज्ञापन में कहा था कि पहले चरण में रिक्त पदों के बीस गुना छात्रों को पास किया जायेगा, जिससे दूसरे चरण में ज्यादा आवेदकों को जगह मिल सकेगी। छात्रों को लगता है कि एक ही आवेदक के कई पदों के लिये चयनित होने से प्रथम चरण में चयनित छात्रों की संख्या कम हो जायेगी। वे एक छात्र एक रिजल्ट की मांग कर रहे थे। अब ग्रुप सी की लेवल-1 परीक्षा दो चरणों में घोषित होने से छात्रों में रोष बढ़ा है। वहीं रेलवे का कहना है कि पद आवेदन में कई तकनीकी विसंगतियों की वजह से मामला कैट तक पहुंचा है। ऑनलाइन आवेदन में करीब पांच लाख आवेदन रद्द किये गये। (आरएनएस)

भारी बारिश, बर्फबारी मे भी प्रदेश में मतदान में नहीं आएगी कोई रुकावट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बर्फबारी के बीच भी प्रदेश में मतदान में कोई रुकावट नहीं आएगी। चुनाव आयोग ने इसके लिए विशेष तैयारियां की हैं, जिसमें एयर एंबुलेंस से लेकर जेसीबी तक का प्लान बनाया गया है। दरअसल, सर्दियों में पहाड़ के कई जिलों में फरवरी–मार्च में भी बर्फबारी होती है। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती मतदान कराने की है। उत्तराखंड की मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि बर्फबारी के बीच मतदान को समय से कराने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। बताया कि जो बूथ तय किए जा चुके हैं, वहीं मतदान होगा। इसमें बर्फबारी की वजह से कोई बदलाव नहीं होगा। हां, जहां ज्यादा विकट हालात होंगे, वहां पोलिंग पार्टियों को जरूरत पड़ने पर एयर एंबुलेंस से भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक पोलिंग पार्टियां, मतदान से २४ घंटे पहले रवाना की जाती थीं, लेकिन उन्होंने चुनाव आयोग से ७२ घंटे पहले उन्हें पोलिंग बूथों तक पहुंचाने की अनुमति ली है। यानी तीन दिन पहले बर्फबारी वाले पोलिंग बूथों तक पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी जाएंगी। जिन पोलिंग बूथों में ज्यादा बर्फबारी की आशंका है, वहां के लिए चुनाव आयोग ने धरातल पर भी मजबूत प्लान बनाया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि पोलिंग पार्टियों को सुगमता से पहुंचाने के लिए जेसीबी, कटर, पीडब्ल्यूडी की टीम, एसडीआरएफ की टीम तैनात रहेगी। जहां भी रास्ते में बर्फ रुकावट बनेगा, उसे काटकर रास्ता साफ किया जाएगा।

कांग्रेस सेवा दल ने किया जनसम्पर्क

देहरादून (संवाददाता)। कांग्रेस सेवा दल ने टर्नर रोड पर घर-घर जाकर जनसम्पर्क अभियान चलाया। आज यहां प्रदेश कांग्रेस सेवा दल ने वार्ड 78 टर्नर रोड में सैनिक कालोनी सी 13 उगल भट्टा क्षेत्रों में घर-घर जाकर जनसम्पर्क किया। कांग्रेस की नीतियों और विकास कार्यो को जनता तक पहुंचाने का कार्य करते हुए धर्मपुर क्षेत्र के प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश अग्रवाल के समर्थन में वोट मांगे। इस अवसर पर महानगर प्रभारी सेवादल पीयूष गौड, जिला उपाध्यक्ष सेवादल रविन्द्र जैन, महानगर सचिव अकरम, वार्ड 78 के अध्यक्ष विजेन्द्र कन्नौजिया, वार्ड 79 के अध्यक्ष लोकेश्वर देव आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बर्फ से लकदक हुआ पर्यटक स्थल चौकोड़ी

संवाददाता

बेरीनाग। गुरूवार को सुबह से शुरू हुई बारिश ने दोपहर के बाद क्षेत्र में भारी ठंड होनी शुरू हो गयी है। वही विश्व पर्यटक स्थल चौकोड़ी बर्फवारी हुई।देर शाम तक भारी बर्फवारी हुई।इस दौरान चौकोड़ी घुमने आये पर्यटकों भी बर्फवारी का जमकर लुप्त उठाया। पर्यटक आवास गृह चौकोड़ी के प्रभारी दीपक पंत ने बताया कि बर्फवारी को देखते हुए पर्यटकों के लिए अलाव और अतिरिक्त हीटर की व्यवस्था करने के साथ पहाड़ी गर्म भोजन बनाया जा रहा है। वही आवास गृह परिसर क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग बर्फवारी का लुफ्त उठाने के लिए लोग पहुंचे है।

महंगाई और बेरोजगारी डबल इंजन...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पूरे देश से अधिक महंगाई है उन्होंने राष्ट्रीय महंगाई दर 6.2 फीसदी होने की बात करते हुए कहा कि उत्तराखंड में महंगाई की दर 8.1फीसदी है जो राष्ट्रीय महंगाई दर से भी 2 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों के साथ खाद्य वस्तुओं की कीमतें भी आसमान छू रही है लेकिन गरीब का चूल्हा कैसे जले इसकी भाजपा को कोई चिंता नहीं है। पत्रकार वार्ता में उनके अलावा प्रो. गौरव वल्लभ तथा मध्य प्रदेश के मोहन प्रकाश व राजीव महर्षि आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी छाता लेकर कर रहे हैं डोर टू डोर प्रचार

❑बारिश व बर्फबारी के बीच चुनाव प्रचार पर मजबूर है नेता व कार्यकर्ता

संवाददाता

देहरादून/खटीमा। खराब मौसम ने चुनावी रंग में भंग डाल दिया है। बीते 24 घंटों से प्रदेश में जारी वर्षा और बर्फबारी ने चुनाव प्रचार अभियान की रफ्तार पर ब्रेक लगा दी है। लेकिन नेता और कार्यकर्ता खराब मौसम के बीच भी जितना संभव हो सकता है जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज अपने खटीमा क्षेत्र में छाता लेकर बारिश में डोर टू डोर पर चुनाव प्रचार करते दिखे। वही चमोली और उत्तरकाशी के कुछ क्षेत्रों से ऐसी भी तस्वीरें आई है जहां भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता अपने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में भारी बर्फबारी के बीच भी चुनाव प्रचार करते दिखाई दिये।

उत्तराखंड के पर्वतीय ऊंचाई वाले क्षेत्रों में 2 दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है वहीं मैदानी क्षेत्रों में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मुख्यमंत्री जो आज अपने विधानसभा क्षेत्र में हैं सुबह से ही हाथ में छाता लेकर जनसंपर्क

अभियान में जुटे हुए दिखाई दिए। उनका उत्साह देखकर लोग भी उनका स्वागत कर रहे हैं। पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि लोगों में चुनाव को लेकर भारी उत्साह है तथा वह 14 फरवरी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया है कि जनता एक बार फिर भारी बहुमत के साथ सत्ता में भाजपा को लाने जा रही है। उन्होंने एक बार फिर भाजपा सरकार और अब की बार 60 पार की बात कहते हुए कहा कि वह जनता के बीच हैं और उन्हें जनता के मूड का पता है। उल्लेखनीय है कि राज्य के उत्तरकाशी, चमोली, रूद्रप्रयाग तथा अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में 24 घंटों से भारी हिमपात हो रहा है। लेकिन यहां भी कार्यकर्ताओं की टोलियां बर्फबारी के बीच अपने पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव प्रचार करने में जुटे हुए हैं। हालांकि चुनाव प्रचार की गति पर खराब मौसम के कारण ब्रेक जरूर लगा है।

डिलवरी ब्वॉय बना नशा तस्कर, साथी सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने कल देर शाम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों में से एक जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय बताया जा रहा है। जो अपने साथी के साथ मिलकर स्मैक की सप्लाई किया करता था। जानकारी के अनुसार थाना बनभूलपुरा व एसओजी टीम को कल देर शाम सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान सयुंक्त टीम को बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। जिनमें से एक व्यक्ति द्वारा जैमेटो डिलीवरी ब्वाय की वर्दी पहनी हुई थी। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया गया तो वह लोग बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान संयुक्त टीम द्वारा उनके पास से स्मैक बरामद की गयी। जिस पर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

लघु व्यापारियों ने ब्रहमचारी को सौंपा समर्थन पत्र

संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार से कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल ब्रहमचारी को खुला समर्थन करते हुए लघु व्यापारी एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा समर्थन पत्र सौंपा

आज यहां विधानसभा 25 हरिद्वार से कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल ब्रहमचारी का खुला समर्थन करते हुए लघु व्यापार ए सोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल ब्रहमचारी को अपने साथियों सहित समर्थन पत्र सौंपा। सभी लघु व्यापार संगठन के प्रतिनिधियों ने लघु व्यापार एसोसिएशन के आहवान पर कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन मे रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों से अपील कर कांग्रेस के पक्ष मे वोट मांगे। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय

चोपडा ने कहा कि रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स), लघु व्यापारियों के संरक्षण के लिए पूर्वर्ती केन्द्र व राज्य की कांग्रेस की कांग्रेस की सरकार द्वारा वर्ष 2014-2016 में राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधि नियम, राज्य फेरी नीति नियमावली लागू कर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को मुख्यधारा में लाकर प्रोत्साहित किया है, इसलिए लघु व्यापारी कांग्रेस के पक्ष में ज्यादा मतकर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए अपनी निर्णायक भूमिका निभायेंगे। कांग्रेस प्रत्याशी को अपना समर्थन पत्र के साथ चुनाव अभियान में प्रचार करते हुए लघु व्यापारियों राजेन्द्र पाल, मनोज मंडल, जय सिंह बिष्ट, सचिन राजपूत, यामीन अंसारी, नईम सलमानी, प्रभात चौधरी, आशीष शर्मा, दिलीप गुप्ता, करण कश्यप, संजय गुप्ता, खुशीराम, सर्वश साहू, विजय गुप्ता, लालचंद गुप्ता, कमल कुमार आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

2019 में प्रचंड जीत वाले यूपी में हम 300 से अधिक सीट जीतेंगे: अमित शाह

लखनऊ । पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा के फायरब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर सीट से पर्चा भरा। भाजपा ने इस मौके पर बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम बड़े नेता गोरखपुर पहुंचे। भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। योगी आदित्यनाथ

के नामांकन से पहले अमित शाह ने कहा, भाजपा उत्तर प्रदेश में इतिहास दोहराने जा रही है। २०१४, २०१७ और २०१६ में प्रचंड जीत वाले यूपी में हम ३०० से अधिक सीट जीतेंगे। यह गोरखनाथ, बुद्ध, महावीर और कबीर की धरती है। २०१३ में जब यूपी आया तो लोगों ने कहा था डबल डिजिट में नहीं पहुंचेंगे। यह हाल विपक्ष का हुआ। योगी ने कानून का शासन स्थापित किया। माफिया जेल में हैं। अपराधी जमानत तुड़वाकर जेल जा रहे हैं। नामांकन से पहले योगी आदित्यनाथ बोलेयोगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ५ साल में डबल इंजन की सरकार इसलिये काम कर पाई क्योंकि पीएम मोदी और शाह के मार्गदर्शन था। समाज को योजनाओं का भेदभाव रहित लाभ दिया। हम अग्निपरीक्षा के लिए उतर रहे हैं।

कार में अकेले ड्राइविंग कर रहे हैं तो मास्क लगाना जरुरी नहीं !

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण का ग्राफ अब काफी नीचे आ गया है। आज हुई दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में भी कई फैसले लिए गए। मीटिंग में मास्क पहनने को लेकर भी अहम फैसला लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक डीडीएमए की बैठक में फैसला लिया गया कि कारों में अकेले ड्राइविंग करने वालों को अब मास्क पहनने की जरूरत नहीं होगी। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने पिछले साल अकेले गाड़ी चलाते हुए भी मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया था, लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के इस फैसले को निरर्थक और बेतुका करार दिया था। इस पर सुनवाई के दौरान, जस्टिस विपिन सांघी और जस्टिस जसमीत सिंह की पीठ ने कहा, ष्यह दिल्ली सरकार का फैसला है, आप इसे वापस क्यों नहीं लेते। यह वास्तव में बेतुका है कि आप अपने में कार में बैठे हों आपको मास्क पहनना पड़ेगा? यह अभी भी प्रचलित है?

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी परीक्षा को किया स्थगित

नई दिल्ली । बहुत पहले से नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट, नीट पीजी २०२२ परीक्षा को स्थगित करने की मांग मेडिकल उम्मीदवारों द्वारा की जा रही थी। इस पर सरकार ने फैसला लेते हुए इसे ६–८ हफ्तों के लिए स्थगित कर दिया गया है। आपको बता दें कि यह परीक्षा १२ मार्च को होनी थी जिसे लेकर काफी विवाद चल रहा था। मेडिकल उम्मीदवारों

द्वारा परीक्षा को स्थगित करने की बात इसलिए की जा रही थी क्योंकि एनबीई द्वारा पिछली काउंसलिंग और अगली परीक्षा के बीच दिए गए कुछ महीनों के पर्याप्त अंतराल को बनाए नहीं रखा गया था जो कि मिडिल रैंक वालों के लिए चिंता की बात थी। इन विवाद को देखते हुए इस परीक्षा को स्थगित किया गया है। आपको बता दें कि इससे पहले मेडिकल उम्मीदवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर नीट पीजी २०२२ श्व३ड्डद्व की परीक्षा को स्थगित करने की मांग की थी। वे १२ मार्च २०२२ को होने वाली नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इस पर उनका कहना था कि कई ऐसे मेडिकल उम्मीदवार भी हैं जिन्होंने कोविड–१६ के चलते अपनी इंटर्शिप पीरियड पूरी नहीं कर पाए हैं जिससे वह परीक्षा नहीं दे पाएंगे। उम्मीदवारों का कहना था कि वे चाहते हैं कि नीट पीजी की परीक्षा के लिए उन्हें कम से कम ३१ मई, २०२२ तक का समय मिलना चाहिए। मेडिकल उम्मीदवार का कहना है कि उन्हें कोविड–१६ महामारी को संभालने के लिए लगाया गया था जिसके कारण वे आपना इंटर्शिप कहीं नहीं कर पाए थे।

लूट का खुलासा तीन गिरफ्तार, एक फरार

हमारे संवाददाता

उधमसिंह नगर। महुआ खेड़ा स्थित बंद पड़ी सूर्या फैक्ट्री में हुई लूट का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन बदमाशों को लूटे गये माल सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों का एक साथी फरार है जिसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती 30-31 जनवरी की रात बदमाशों द्वारा महुआ खेड़ा स्थित बंद पड़ी सूर्या फैक्ट्री में दो सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर फैक्ट्री के ट्रांसफार्मर से क्वाइल व तेल लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। मामले का पता चलते ही थाना आईटीआई पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कल देर रात घटना में शामिल तीन बदमाशों महमूद पुत्र मकबूल निवासी लालपुर बक्सौरा, मजीद पुत्र शब्बीर निवासी रामपुर उत्तर प्रदेश व जाकिर उर्फ मुल्ला पुत्र शौकत निवासी लालपुर बक्सौरा को ठाकुरद्वारा मोड़ तिराहा पैगा बॉर्डर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके कब्जे से पुलिस ने फैक्ट्री से लूटा गया माल भी बरामद कर लिया गया है।

बदमाशों से की गयी पूछताछ में बताया गया कि उनके साथ लूट की इस घटना में शराफत उर्फ बाबू पुत्र कलुवा निवासी जिला रामपुर (उ.प्र) भी शामिल था। बताया कि इस घटना के बाद उन चारों द्वारा सरवरखेडा में भी ट्रांसफार्मर से तेल व क्वाइल चोरी किया गया था तथा बीते 4 दिसम्बर को जसपुर के ग्राम मढय्यांवाला में भी सडक किनारे लगे ट्रांसफार्मर का तेल व तांबा क्वाइल चोरी किया गया था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है। जबकि चौथे फरार बदमाश शराफत उर्फ बाबू की तलाश में छापेमारी जारी है।

बैंक कर्मचारी बन लाखों ठगे

संवाददाता

देहरादून। बैंक कर्मचारी बनकार खाते की डिटेल लेकर क्रेडिट कार्ड के माध्यम से एक लाख रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पण्डितवाडी साधन कुंज निवासी सम्राट देव ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने स्वंय को एक्सिस बैक का कर्मचारी बताया तथा उसने उसको बोनस देने का लालच देकर उसके खाते की डिटेल ले ली। बाद में उसको पता चला कि उसके क्रेडिट कार्ड खाते से कई किश्तों में एक लाख 4971 रूपये निकाल लिये गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो घरों से लाखों की चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो घरों के ताले तोडकर वहां से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रूचिपुरा निवासी परितोष गुलाटी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दिन में तीन बजे परिवार के साथ कहीं गया था जब वह रात्रि में वापस आया तो उसने घर का दरवाजा खोला तो घर के अन्दर सारा सामान अस्त व्यस्त हालत में पडा हुआ था तथा कमरे की अलमारी टूटी हुई थी। चोर मकान के पीछे के रास्ते से घर में घुसे और अलमारी मे सोने की अगूंठी, चैन व दस हजार रूपये नगद चोरी करके ले गये। वहीं लक्ष्मीपुर लोअर तुनवाला निवासी स्वारी देवी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने उसके घर में घुसकर वहां से सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोमवार से खुलेंगे कक्षा एक से नौ तक के विद्यालय

देहरादून (सं)। मुख्य सचिव/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा0 सुखबीर सिंह सन्धु ने आदेश जारी किये कि कक्षा एक से नौ तक के विद्यालय सात फरवरी से खुलेंगे।

आज यहां जारी आदेश में डा0 सुखबीर सिंह सन्धु ने बताया कि राज्य में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा कक्षा एक से 9 तक के विद्यालय बन्द करने के आदेश किये थे लेकिन अब इसमें कुछ संशोधन किया गया है। उन्होंने आदेश जारी करते हुए बताया कि राज्य में समस्त आंगनबाडी केन्द्र अग्रिम आदेश तक बन्द रहेंगे। इसके साथ ही राज्य के विद्यालयों (शासकीय, अशासकीय एवं निजी) में कक्षा-1 से कक्षा-9 तक की कक्षाएं भौतिक रूप से सात फरवरी से आरम्भ होगी। इस संदर्भ में विस्तृत दिशा-निर्देश विद्यालयी शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी किया जायेगा। यह आदेश अग्रिम आदेशों तक जारी रहेंगे।

2000 रुपयों के लेनदेन के विवाद में की गयी थी हत्या, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। टैम्पो चालक की हत्या मात्र दो हजार के लेनदेन के विवाद को लेकर की गयी थी। पुलिस ने टैम्पो चालक के हत्यारें को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त लोहे के पाइप व अन्य सामान बरामद कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक रूद्रपुर ममता बोहरा ने बताया कि बीते 31 जनवरी को कल्पना पत्नी स्व. नेम चन्द्र निवासी ग्राम रम्पुरा थाना शेरगढ़ जनपद बरेली हाल निवासी चामुण्डा मन्दिर के पास ट्रांजिट कैम्प द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि 28 जनवरी को रानू नाम के एक व्यक्ति द्वारा मेरे पति नेम चन्द्र की हत्या कर दी गयी है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी रानू पुत्र रवेन्द्र पाल की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने वनशक्ति मन्दिर सिड़कुल से कल देर शाम गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्यारोपी से की गयी पूछताछ में बताया गया कि वह 28 जनवरी को नेम चन्द्र के साथ उसके ही टैम्पो में सेबगवाड़ा रुद्रपुर गये थे। जहां बगवाड़ा किच्छा रोड किनारे एक झोपड़ी मे उन्होने कच्ची शराब पी तथा 2000 रुपये के लेने को लेकर हुए आपसी विवाद व लड़ाई झगड़ा होने पर सिटी पार्क से सामने सिड्कुल में उसने नेमचन्द्र की छाती में लोहे की पाइप से वार कर हत्या कर गयी। जिसका शव को छिपाने के आशय से उसने नेमचन्द्र के शव को वहीं रोड़ किनारे फैंक दिया साथ ही टैम्पो भी वही पर खड़ा कर दिया गया था।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने आला कत्ल लोहे का पाइप व मृतक का जैकेट तथा बाये पैर का जूता भी बरामद किया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।